

II-322

II-322 वसन्त ब्रह्माचार्य सुरत श्री महाविहार



॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥



स्वाहा॥ ॐ ध्रुवाय स्वाहा॥ ॐ रुक्मिणाय स्वाहा॥ ॐ वज्रकाय स्वाहा॥ ॐ सुधीय स्वाहा॥
 ॐ ब्रह्मनाय स्वाहा॥ ॐ वीरनाय स्वाहा॥ ॐ पद्मनाभाय स्वाहा॥ ॐ सीताय स्वाहा॥
 ॐ सीदिय स्वाहा॥ ॐ साधय स्वाहा॥ ॐ सुहाय स्वाहा॥ ॐ शुक्रमाय स्वाहा॥
 ॐ वक्रमाय स्वाहा॥ ॐ नृपय स्वाहा॥ ॐ वैभवाय स्वाहा॥ ॐ धर्मवीर्याय स्वाहा॥
 ॐ कृष्णाय स्वाहा॥ ॐ मिथुनाय स्वाहा॥ ॐ कर्कशाय स्वाहा॥ ॐ सीता
 माय स्वाहा॥ ॐ कन्याय स्वाहा॥ ॐ नृत्ताय स्वाहा॥ ॐ श्रीकाय स्वाहा॥ ॐ धन्याय
 स्वाहा॥ ॐ मन्त्राय स्वाहा॥ ॐ केशवाय स्वाहा॥ ॐ श्रीनाय स्वाहा॥ ॐ शूद्राय स्वाहा॥ ॐ

[illegible]

॥ वृष्यास ॥ नास्याद्यैवादननुटीकयन ॥ जखंवाधूथनदवजामजानथंभूनका
न ॥ ब्रह्मिभाननीसौरय ॥ गुनुमंदनदनक ॥ वनवनदनीशमंदनसिसननयारक
॥ क्षिधरावना ॥ नावुमनरुंनोचक ॥ वनरुंनोचक ॥ सिधरावना ॥
नीजाजन ॥ सीसावसानंदय ॥ धनब्रह्मियाय ॥ ब्रह्मजीहायकसफरदीनीकाकाय ॥ स
क्रि०००६ ॥ धकात्रिनमोउपकीसैवैविये ॥ खाननभवीसिनगुनुदरुनायुजा ॥

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥

नमः श्रीगुरुदेवका विसत्त्वत्यः॥ नत्वा दको क्षी वन वजसत्तायका
 नायममा रिलाषा न। ना तादु याऊ स मगुल वजा म्हा हुं लजा गधौ
 ॥ यथर्म गुरुमगुलंकलायका ना गसमाधिका यथ ॥ ० ॥ समन्ना हयतु
 मा वद्वान् (क्ष) वा दिदु मी सिता ॥ न मा वे याच न सुत व वनना गजा नाय ॥ ऊ स
 उ वन न चला सवना ग समविती। सका कि तरु (क्ष) रा सी यु व स न य वी ॥ सर्व मत्त

जली निधाय वननाम कारु ॥ उं सलाननु द्वा ॥ सर्व धर्मा सल वदु द्वा ही ॥ वृत्र
 नल्लन वज सल वाम कारु ॥ द जि वज का य व चंद्र मगुली वा म रु क्ता का य
 धस्य मीगुल ॥ उं वज य करु सा ही ॥ उं वृज्य जि रु द्रं ॥ उं लो मी यां ती ज्ज ॥ क ना
 गला सी ॥ तदन जल स न जा ॥ उं ना म धू के य कर म जी वं द्रं रु द्र सा हा ॥ उं ज्जना
 रा ॥ उं रु जि न सि। उं रोड धू का (क्ष) उं रि क रु द्र था ॥ उं रु ना सा द्र था य ध्र था

श्रीकन्दनामूदिनायकासर्वसत्त्वसमनशीलत्वा॥ सुदुर्दिष्टन वंकात्रवीजयप्रियमि
 ताक्षीवदायनरुनहृदयदिशमननलाकाशुसिन्तसर्वदवननिद्रुतात्यसिन
 क्षिनाकषेयनागउयनूक्षजगहदक्षीवन्ननागनाजासयप्रियात्रादृक्ष
 कषेयन॥ ज्यकषेय॥ उँ वजाक्षसज॥ उँ वजया॥ उँ वजसूठवँ॥ उँ वजावसूठ
 ॥ ज्यकषेयमन॥ यवरसत्कायायश्रीवन्ननागनाजासयप्रियालाययादा
 ज्यकषेयमन॥ यवनियुतीकृत्वा॥ यथन्या॥ उँ ज्यवेनायनाहववजवन्न

साहस्रपातुस्तु वा वेनाच नाति ॥ ३ ॥ व न नान गं किं ना न स्य दत ॥ ४ ॥ दवा
तुष्टु सर्वो धी सिद्धि विमल सु मल सु मेहन वा सत्वा ॥ १ ॥ ॥ दवा है वात
वजाय सुयति दम का वज यन्मज हलायी गाहा राहन आलियु ग म मय
नाठ किना जा म हला ॥ ज्ञा कोत्य न द्रक तु युक्ति दी नम च न ग म ह मित्त

मात्रि तुष्टु सर्वो धी सिद्धि ॥ २ ॥ ॥ स र्य मी ला क वं शू न ग न नि न श
वा श्रित्त सु चित्त वृद्धा म न द ना जा वि डि न क रि म ना रु नू को न स
गं वृद्धा मा न द नो आ वि डि न जि न गू (॥ स र्व सत्वा नू के यो तुष्टु ॥
सर्वो धी सिद्धि ॥ ३ ॥ ॥ तुष्टु रं द व ठा ना ठ नू नि रू हि कू नि कू
न स र्वा न र्वा ना मात्रि यो मा न मा ना ह क न र य ह रा वि न व र्धन वि व क कू
मा यू रि मा म कि च कू वि न रि यू ठा णा या ह न ना च न ना श्रा तुष्टु सर्वो धी सिद्धि
॥ ४ ॥ ॥ ग वृत्ति जा गू रि यी कू ठ ग के न क ना ख क या सा कू (॥ ग वृत्ति ना र

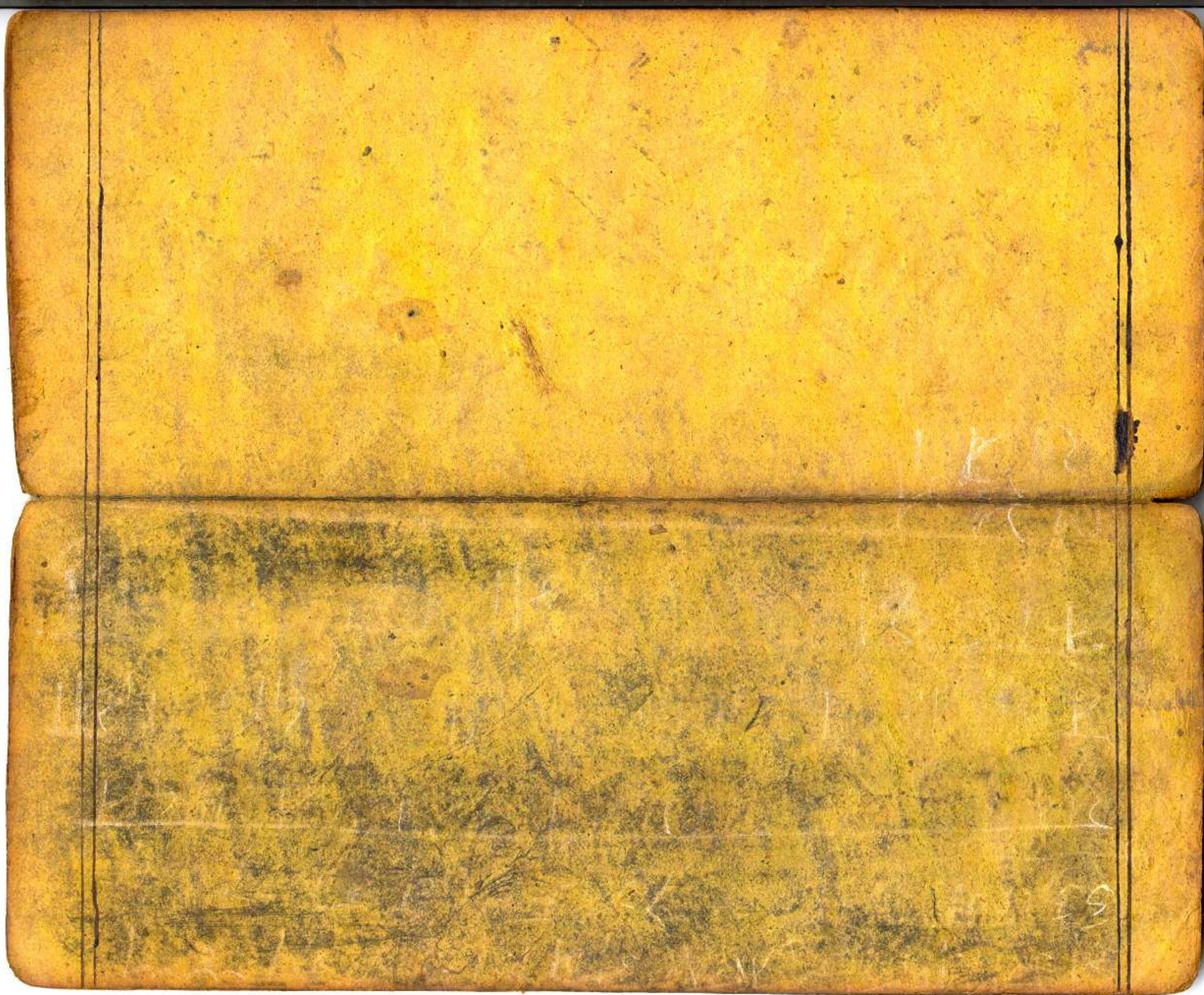
दिवज ह सा जू सिय न सुभना धर्म धान श्रुति च क यू नि स्नान क्षत्रा धुन निदि
 न क ना द्यु या सा वलि च तु सा स वा धा सिद्धि वि॥ ५ ॥ वे न्या माला सुगी नाना
 प्रथी न जि न व न सा व नि धू य व जा ध ठा नि ग य व जा य ह सि न व द ना स ग नि ज
 य ना ना स जी व द्वा स थ धि स क ल रु य रु ना सा ल थ दी य व जा तु सा स वा धा सिद्धि
 ॥ ६ ॥ वे धा ला धर्म च कु य नि न जि न व ल य व न गृ ह कू ली सा व हा लू धि
 नि च क्रि वि नी हि न व न का य न वा धि वृ कृ क्षी म द्वा व ना न स न ग न ध मि
 ती ग्री ह न सी ख च कृ ष्ट सा स वा धा सिद्धि॥ ७ ॥ ॥ कुं भ वा ज य म ध ज व

शुद्धि

न त मि र्ग ना व नाम क कृ द्वा ना रि व द्वा कू ल मू नि व न व च न व र्ज य धु
 नि ध ना व द्वा ना य नि हा य स ल ग न न नि द हा स ना य वि ना सा तु सा स
 वा धा सिद्धि॥ ८ ॥ ॥ नि म क ना सा सा न स मा य न सा सा न दा य ॥ १ ॥ ख द्वा कू
 स नि रु ना व द हा रं स हि ना क स न य तु स ल व नि म्ना ॥ दि वा च ला रु न न व धि न सो म्ना
 स जी सा न दा रु ठो व नि हा न न न मा मि ॥ १ ॥ ॥ स सा न सा ग ल म क द धि म य स ल स न
 नि नि रु न न ना चि क वा र्द य द य द र ना य ल स म धी कृ ष्ट न य न ग र्ध णी सा ल दा रु ठो
 नि स न ठ न मा मि ॥ २ ॥ ॥ ज ला न नि ति ष किं न नि च ला य सा हा य का न न म रु म क नी ज
 ना ना ॥ स कृ णि ना मु नि रि न स म क द धि म य स ल स न न मा मि ॥ ३ ॥
 वि ना न्ना द न न न ना नि रु क ना री र धा नि नि ना क न क द्वा कू क मा नि ना न ना गु नि रु न यि न नि
 न रु क प ना गु सा ल दा रु ठो व नि स न न न मा मि ॥ ४ ॥

ज्ञानवान् भूजगन्तिकाभि सन रुद्राश्च दिव्यं गाना मनसि संप्रति मायनि योऽर्को वि
 नादुत्तरुणा गूढवर्णमा धृष्टी सा तदा रगावति सत न नमामि ॥ ५ ॥ दिव्यं
 रुद्रगतिर्यज्ञेन नियुक्तिं कृत्वा न दारुणवति किं न रक्षसो मांशं दध्या नूय गूढनिदि
 सुतला गला गीष्ठी सा तदा रगावति सत न नमामि ॥ ६ ॥ यक्षो यक्षत्रवि
 श्वेव प्रियजनि स्या विद्या गनो हृदि मन्त्रा रू सुवकुल द्याये यज्ञि नारु गवति
 किं न जायते हस्तिष्ठी सा तदा सत न नमामि ॥ ७ ॥ अस्या युती दमव गम्य
 स्यात् सर्वं नैवा कृत्वा र्थ उदिता को स मयु रू ह्या न धर्मो र्थको मरुत इति न मा
 क्रुत्वा कृष्ठी सा तदा रगावति सत न नमामि ॥ ८ ॥ ति सा तदा रू व सा रू स मा क

नमो सा तदा योऽर्को द्वादश वत ब वन्द्य तया दयं द्वादं सप्त सप्त
 तिन ये नैष्ठा रु महे सा या कमु ली कृत्वा म सु वा सित दं ह द वीर सा त
 द्वादसक गतिं दी त दाने मा मी ॥ १ ॥ ह मा ल यं वि मल स सि त वल न
 वि जे वा त म द्वाद व नः व नः सु कल सि द्धि त दाने मा मी ॥ २ ॥ व
 दान्ना द गूढ सर्व प्रकाशितं न वीर व ते













110 131 15 16 17
18 19 20 21 22 23 24 25 26 27
28 29 30 31 32 33 34 35 36 37

110 131 15 16 17

हनमारुगवने आर्यो ह्यावर्म धा जाये ॥ नकसगुनु मंदल धनका नये च
 गाव्य आर्य सिधे नये के मंदल धी न के खान जो कि न न के ये ख व पिं कोय
 द गुनी कने सन्यास सन्यसे सल वना ॥ धूय निजा जन यु अ न्या स ४ य ४ या ४ तौ
 द न या के खान न न के ॥ रा वना धूय निजा जन ना चामै न रुन ठा य मान् द ड
 युजा मंदल युजा यु अ न्या स य चाय हा न युजा जय या अ वली युय धुय दि य गी
 द्वा ॥ धू ॥ धन ध का जी न्नाया दीन दूनी (य ध म मू नि मी द न गुनु मी द ल द न न

धर्मरत्न बजाचार्य सुरत श्री महाविहारी

धर्म धारा प्रत के धा

II-322

कनकद्वीपकाशमार्गधरुप

नरकायनयुकाथी धरुपुत्रिनीवालीरुचरुप ॥ उपासकावावन्दे श्रुथरुथरु
 न ॥ उपासिकावा ॥ सकसनीधुधर्मसुधमकरयनडागुनीसतानविमयसेवती
 राग्यमात्रधमरुद्रुयनडुगुनिआकीद्वारयाडुनेराकिद्विसकसनीधुगुधर्मसा
 आदीनवा ॥ मायनंदुखसीसुआकुद्वी ॥ अद्याद्विगारवनी ॥ मायनकखभाशामदस
 वनहीनागशत ॥ डनिडाउलाद्वारनशयाडापीकद्वीअदनिदारवनी ॥ नासन
 शस्यजान ॥ वल्लुषासूरीमरुजजन ॥ अनुदयुपीनसीदडाउ ॥ नहाकोनखना ॥ डलना

रिभुल्लानेकला ॥ यैसासठाडामानदूयाडा ॥ सुविमलसुयावृत्ता ॥ निमलवस्तुननी
 माडा ॥ गुनानंजंगनहिला ॥ गुनुयाद्वननयादावगुनुनापिदसीनवा ॥ गुनुयाड
 पदसखकनिडाशुना ॥ निचयनकीसकुद ॥ कायिकंगिविद ॥ सलिननयादा
 पापसनाकमवाविकीवचननयायपावयता ॥ मासिकीनूगलनया ॥ पावसना
 धयडीतापावदनी ॥ पथधनदना ॥ लखनककुसननगुकायीकीदनीदनयादा ॥ वि
 विधी ॥ इनायकारनशरु ॥ कनभु ॥ गुथी ॥ यानाकियानी ॥ जिवनवदयपुस्यायुपा

निकायमनं ब्रह्मदत्तदानं मन्त्रकदानयायमनं ब्रह्मव्याविखयका केमनं ब्रह्मद
कां काममीयमचार्यम ब्रह्मास्त्रीगीसायाययमनं ब्रह्मतिथूनी वासिकी वचननया
कायापकूठमगुठवगुवीर्यनायायमखावादीयू नरेवद्रायमनं ब्रह्मयेसूनीचिक
नीधमसेहस्यद्रायमनं ब्रह्महरिनयनायल्लतिमब्रमयाएयवायवीयमनं ब्र
जाकद्रस्यमनं ब्रह्मयतावचननवचननया कायायमानसी केनठाननयाय
यायकतमगुठगीयकार्यवताय कायकूजसाजवीद्यायायमिथ्यादृतिच

नीमनं ब्रह्मगीकायादयायमनं ब्रह्मदबगुगुधममामववुनीडनायायमनं ब्र
धुनंरीतनयाययायमनं ब्रह्मनुनदसाकूहनायगीलकूधुजीतायायकू
हकनंनोननमात्रमययानत्रहिंतानाज्जादिनी काययबययार्थशकमनव
नीयानीरवात्रादौधुदमनं ब्रह्मलेवनराजिकीचिचकनधमनं ब्रह्मवक्रवा
निउसावक्रचकूठतलपावक्रथीठाएजसातावतिदीयावडातिगुवा
ताजसादतसाजिवनब्रह्मसुत्रमालसागामिनीयावन्महनसासानीव

दावसूर्यक्या नम कन स्या सूर्यता नलका न धुननका शावतु डायाना वी वसुधना
 दवीवत युकास्यत् रु लाकि रु मय नी कमी हनय कमनयो कान नु कचि नया
 दानवका रामन वी वसुधना वन समाव न नु ह्या वसु डायाना ४ धर्म खमाना नकि
 कश्चनपीननी स्वयं ना ॥ धन नृज धोया मेनु न खान वाय डं वी वसुधना वी
 डा कविम्ये सा हा स वु वी द्या नूत सा त्रय द्वा खान नदी दल दूय की वा या ॥ ॥ श्री वी
 सुभन सा हा दा ते ४ वी संध्या धा ले नीय सा हा दा ते ४ वी वज्र धा हा ग न नि धा ख त

गताय सा हा धन न ४ डं वी सा हा दा न न डं वी यक्ष धा य सा हा र प न स डं
 वी वज्र धा य सा हा दा न न डं वी र ल ज न द्या य सा हा र व न कान स ४ डं वी दू
 सख या न ना ग ना त्रा य सा हा दा न व न स ॥ ॥ धृति का धूम दल स वा या ४ डं वी
 गुफा द विय सा हा र व न कान स ॥ ॥ सुगुफा द वी य सा हा र व न कान स न न
 डं वी स न वति द वी य सा हा ॥ न व कान धू व न ॥ ४ डं वी व नु काना द वी य सा हा ॥ न
 व कान स न या ॥ ॥ धृति का धूम दल ४ डं वी मानी र डाय सा हा दा न न डं वी पु न

रुडायखाहा॥ खवसाउं ह्या धनंदायखाहा॥ धननाउं ह्या वेष्ट व ह्यायखाहा॥ ज व
साउं ह्या वीरं दलिनखाहा॥ खवका नसाउं ह्या कतिमालिनखाहा॥ खवका नथी
वनाउं ह्या मूर्खं नदायखाहा॥ जवकनथीनाउं ह्या चलेन्दायखाहा॥ जवकनसाउं ह्या
महान किमीरुगनिवासनियखाहा॥ दाना॥ परस्मय हा नयूना ह्या खा हा चत सी
धुन हायकर्मलुनसा॥ जहूपविनायखाहा॥ जमका॥ उं ह्या वसुधना धातनीयखा
हाहायखाननयउं ह्या वसुधन म्हाहा॥ धूपउं ह्या वसुधना रात्रनियखाहा॥ मनाउं

ग्रीवसुधन म्हायखाहा॥ नेवी वमुनी॥ नमस्तुमहादवी सर्वसखा धकायनि नमस्तु
दी वरुपिचहा वसुधना नमास्तुते ॥ ॥ केन ह्या मंदलसनयम॥ रगवनी वसु
धना धातुखीन वनउ वनादक मभीयती॥ उं ह्यायकनी धनकनी जगद्धर विंसाह
दायसनया॥ वनका जानकमतउं जगद्धा वसुधनाय वाधेगा दधक ववर्तखाहा
मंदनसननका॥ धनजयवीयका॥ उं कृत काजिनम कृष्ण मसन मयार्थ काजिनयच
तस्तु वमर्गवा दो ४ यूनन यती दस्या मिमधूना सभा नदाय मनी सी सुगनानी गी द्यगी

लीनसकलजगदर्थसाम्प्रकमन्मादहोउत्कृत्तुकेवरवनीयाननीदानयनजजमान
स्यन्नायज्जाग्राकामनार्थजनधनलजीमीवृद्धीजसुरगवतीष्ठावसुध्वागारका
यज्ज्योतीकृत्वाहा॥अथधूनकावर्षपूजायाययूतीकत्तादिननविहीनायपीप
त्यमानायाधनयाविविधनतस्तुनर्मयापुनकथापुरनेसहसेनसर्वित्तुवना
कजननियुनमामिरुका॥ ॥थननीयकृयालखानवायरामीप्रथाडेनमति
नतजीयायनमारुगवनवसुध्वाप्रसन्नजिह्वसीनरुनीरुलरुह्मदिधन्यवसुध्वाति

नैकप्रियलीकनिरयनासीनीसर्वदृष्टानउग्रजमृगावक्रुन्ममकार्यज्ञाद्वीक
नीस्वाहा॥धो नश॥ ॥यिकेनसमवाहनरुदंगुजावाकाअहमवनामा॥जि
यनीसनसमसंभाननृतादिआवाजजीयनीथवथवनामकीकाथकनकनयातउपा
सीकाहयाकनयापसनहायारुतसाजिवनवरुपनीयमूमानरुकाग्रापुस
नशनमरुतसादयकृयाप्रधायराहानाह्वीजीयनीशनधनप्रपनाग्रा॥अथवासु
जादयाननृकथदधामरथनूयासुजनाज्जमशवनकनसुउदयशताप्रधननवा

५
गुरुन साजि वन वद पताय दे ॥ जहिरासा चर्य विन दाया विवरी न जि
वन वीका स्यायम न व जना चात्रि शय म न व म व या सि गी गाय ल य र्थ म न व न
ल न या ग्या ॥ भी थ्या दि द्वी ये सु न्नी या मुख दा द वा द गू न खे का खे के रा ना व च न न वा द
वी वा द धू नी ना ना न न ना ग्या गा ला र या या द नी नी द खे व य नि व र्ज जी या रि श य म
न व म व या वि ख य सु त य श य म न व न ना न न न न न क म य थ स र्का द न क धू वि
न रा या न धू नि ढा क म ठ म ना थ धू का धू मी व न थ च न न थ ॥ ज म द या न न रि नो स

जी वा ज रि सं चा र्थ ॥ थ ज दि न का य य न दा थ क क स व न य म न न दा न मा या दा न सी
क म मे ठी धू मी न क स मा च न न दा ना त्रि श य सी न व न श य क मा ठा नी श य क ल न
अं न श य नी व न थ न ना न धू मी श नी ॥ न न क थु न ति के क वा ॥ न स मा द्वी मू व न ॥ (धू धू मी ध
न न पा या स न न न क स खि वा ग नी स पु स ग नी स व न म मा ला ॥ धू धू थ स र ल सें प्र)
धा नि ॥ स व नी ना उ वि का ना न रु व नि रु थ रि वा किं थ स प द न नी ॥ वी र्का ल नी स
स प नी रु सा ना न ना वि का न या क न थ मू कू कू य न उ गू री रु स सी स प नी ना न नी स य

सस्यवनी खाहा ॐ ह्रीं कालयवनी खाहा ॐ ह्रीं मनी खाहा ॐ ह्रीं परामनी खाहा ॥
ॐ ह्रीं सवदसुनिकुन निखाहा ॐ ह्रीं सवदुन निवासी नीय खाहा ॐ ह्रीं जागदु
समयमनुसमत्र खाहा ॥ ॐ ह्रीं ननुमिनसमत खाहा ॥ ॐ ह्रीं परानमनुसम
खाहा ॐ ह्रीं धृनीयमनुसमत्र खाहा ॥ ॐ ह्रीं वीजयमनुसमत खाहा ॥ ॐ ह्रीं सवसयम
नुसमत्र खाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा
ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥

कनीमहासमयखाहा ॐ ह्रीं मरुतात्रनीमीनुननीवाणी खाहा ॐ ह्रीं कनीधनक
नीधनकनीजागदुखी खाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥
हीरगवनीसमयमनुसमत्रतीहीकुरुखाहा ॥ ॐ ह्रीं रगवनी ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥
दायसवधिनधनवसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥
सवसिद्धीयदायखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥
मधनीमरुती वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥ ॐ ह्रीं वसुधायुखाहा ॥

श्री साहा ॥ साहाहा ॥ उँ न की मी तु न निवा हनी य साहा ॥ ॥ सक न दंश क नू या ॥ यं च
 प हा न यू जा ॥ थ न व नी की या ॥ श्री व सं धा न कि न न क वि सा रु ल ह हा नि नं क नि स र्व रं थ
 ना स नि स र्व द क्षा न र जी य रं रं य रं भा रु य रं मृ ना रं व क नु म म स र्व स र्वा नी की र
 व का र्जा नि सि द्धा नी ॥ ॐ मी व नी गृ ह्ण रं रं दू स्वा हा उँ ख र य खा हि र नि धू र व द र धा न य रं
 ॐ मी व नी रं मू ल ज न ज्ञा य स र्व य नी कू प त म म न ही ल न स र्व द दाय न य सा हा ॥
 ॥ यं (क्षय हा न यू जा तु नी ॥ स्ना न त न कं ॥ वी स रू न या व कं व न का न द्वा व कं ग्म न न दू य नी

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ दत्तत्रयाय गुरुमुखाय मंदलानां नवक्राय मूर्ताय आहूतं नमः ॥
 दत्तत्रयाय कसिधमूढाय पवनं मनुजसंघकपावतयधृतिमालद्वयकृद्भ्यां
 संगीकृद्भ्यां त्रैलोक्यवरीपातगुरुमंदनद्वयगुणीकृतसंप्रदाधूनकावधकाजीं
 दीनधर्ममूर्तीयज्जगत्कथासंत्याजगुरुमंदलजनकेधूनकाववनकाचनसधु
 कावमीदं सद्गुरुं दातुं तयथनसीधपनीसनधाय क हयत्रयसलक्ष्मीसनद्वयारुण
 निर्यमायत्रयमं वृत्तमरुयानीमीनीनडाहातातकीकददायदमं वरीकृतयालज

वज्रनथीय

प्रसनमनं वभ्रकधायक वीसा जनया च के धनमैदलथीनक खान का ज्ञान वाचा
 ककीतन के धर्ममूनी एक श्री सीखादि वासनया च के यं वीसुका ज्ञान के धर्ममू
 नीयनीस ज्ञानका वतय लावना खानु दुया लनी तयनी गजनमठय तावन वदलनस
 रुमनयु यठाय महीतया हासाया श्रुयमीदल वीस जनया वकाव सवन द्यवयाद
 तयक मीदल सतयक धन देव पूजाया च के गुगु रथ सधायु जाया य के साही के
 कहाय के सवनथ वरथ वरुय के सीरु मूका यद्रय के मीजन यातवी यमी सायात

ज्योति
विय

सीधमूदवीय जीवनसी वीयधूनका ववी वजनया च के कुरस वमीदलमदयाता
 थाकाप्रि गवक्रा यसि दुमूकै वूनकी नीझाय वनी झायु मीडल सवन का नया वज
 धु वीया गुनैय खूसी सचूयी क झायचूयी क झाय के प्रसख यखा नखूसन यध
 ठूनी वरुधना वरु वीद्वि समाकशा नमः ॥ ग्रावज सहायाननका याय विष्णनमाह
 ॥ कनका जमन कुमात्रि उजा ठमगुना सन के उजायनी नं दुसि पीदी नीनी सामन रुयी नायय
 जाथुनी थापनया यज्जनि चराया गुनु मेउ नवि सङ्गन सीधुतयक मेदल (धनक खान

ननकर्म दलवीस जन ॥ जीसमादी कसारी वासन दन युगायाच कनिठान काखायाव कु
मात्रियुगायाय धन भावार्थव्यचक्राय सुखी कचयाव नय ॥ गुनुर्म दलदन कर्मउनेव
सजिनियाच के लान विमान भावा कवक सिखेला बना ॥ उंही ध्य सुभामान लवया निगाननकाय
वजनननाया ॥ उं वज्रियत्रसूत्र ज्ञे ॥ गानवाननाया ॥ उं वज्रनकि हौमनरुताया ॥ उं वीद्यातसि
जि हौ ॥ कसारी बकरुनु नै दवीया ॥ धनसी यती नी लानना ॥ उं आठ सर्व समाधनिये ह्रंद ॥ नीस
दीग हो याव कायकमस्ताना सीपीनी नदीगताया ववीया ॥ ज्यगन य वाइदगुनी या न सुजयान् क

रखयात ॥ कायक काया ॥ रुन प्रानयाच कनसियकी ॥ उं हिंखा हान नी क्ता ज्यदीनी सस्तान
नक ॥ उं समाधिरु ज्ञीउयूत पीन नाउं ह्रंखा हान ॥ मीउ एयनय ॥ सीय नी नी मामल वक्राया ॥ ध
नव युवका व पेनीन दनदीगताया ववीया ॥ धनस ज्ञमन वीया ॥ ॥ धनथका नी नीमदनथी
नक लानन नके ॥ कमागीयुगाकाय धन हो सा धनयाय धनन ॥ उं नम समनवधानी उजा
वर्नन जावर्न दकेखा हा धनजन उसीन याच क ॥ ज्ञानदीगताया व होमस च क ज्ञागानन
यक हायाय ॥ ॥ ज्यगन कायक काया ॥ जनप्रानयाच क ॥ ज्ञागान कायक क हायाय ॥ ॥ ज्यगन

छाय कछोय ॥ जनपानयाव कनासीर क ॥ यामं ॥ उँदिआन धमन्य विराह हं जं ह
हा ॥ ३ ॥ मृगज्यदीनन कनयान ॥ विप्रयनन क ॥ नासीर क कनयय ॥ वप्र
क ॥ साननय कनराका रवीय क ॥ सानमा वीय क ॥ भाक सी वीय क ॥ दवरा पयकुछय
॥ थकापिना वीन पुजायाव क ॥ कसा सीख क वीय ज्यसी विपु वी स निया र क ॥ कयसम
हं यानन वझाय वपि छाय दगुत झा काया ॥ ज्यसी झा य के थुनी ॥ न नी नन क वी घी सभा क

रुनका मं ॥ नमानक ७ याय ४ स व वृद्धि वाक्षी सत्य खान मा धम हाय महा पृथिना यनम ४ स
कल ४ स मं क रं वृद्धय ४ न द्रव्या ॥ उँ डी ३ स वृद्धि ४ ना नां ज नन क नानी सखयान क नानी क
काठ क क नानी यदु क नानी महा यदु क नानी वनाह क क नानी दूँ द पी क क नानी धेन
क क नानी मय क नानी जयध न क नानी शीन मून क नानी वसन क नानी ॥ नेत्रा वन क नानी
कुमुद क नानी कुकाद क नानी ॥ सो गंधी क क नानी ॥ रुनेर क नानी वेश्वर वा यन ताद यर
क उँ ल य नरिना मर दहि पुत्र य कात्र सुवर्जधन मं तात्र य वधु का बागा नसी क नद ४

क नूर देला मा सय २६४१ उँ क नूर सँ ही हँ वरु पूखा ला ॥ नमन कऊ या य ॥ नदध ॥ उँ न्री
मीरु नी नी मीरु ॥ नी नी नी मीरु दू व दू माली य दू र म दू माली य लू क न कल ह क मी न क
मि न रू कँ जू जू जू जू न जू जू ना द दू न नू नी नू नी य रू माली य जू व का यि य जू यानू
जून जून नू दू जून न न ल क ह ला ॥ उँ जू गालि दू मूल जिकी वरु का या गू रू गू रू वत वल म ह
काल म ला कू गू जू जू लि हँ २६ पूखा ला ॥ धन न क व क दू गू सी ४ ॥ शिव ना ॥ उँ खँ काल नी विठ व
वज्र नू य दिला कू न क विरु व ॥ जू क ख न धू य नी रा जी न रा ला मित कू ॥ यी यी प ला न पूजा

